IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.301
Volume 3, Issue 2, July 2023

रूस, यूक्रेन 'विसैन्यीकरण' का वैश्विक परिदृश्य पर प्रभाव

डॉ. प्रतिमा तिवारी
अर्थशास्त्र विभाग,
शासकीय बापू महाविद्यलय, नौगाँव, जिला–छतरपुर (म.प्र.)

यूक्रेन संकट सीमा से बाहर हो गया है, रूस यूक्रेन के कथित 'विसैन्यीकरण' और नाज़ी प्रभाव मुक्ति के लिये आक्रमण करके पूर्वी यूक्रेनं (डोनबास क्षेत्र) के डोनेट्स्क और लुहान्स्क विद्रोही क्षेत्रों को मान्यता प्रदान कर रहा है। मॉस्को का यह निर्णय यूरोप में राष्ट्रीय सीमाओं का उल्लंघन नहीं करने पर वर्ष 1975 के हेलसिंकी समझौते में व्यक्त सहमति को अस्वीकार करता है जो वैश्विक व्यवस्था के लिये एक बड़ी चुनौती है। भारत के लिये एक ओर जहाँ रूस उसके सैन्य उपकरणों का सबसे बड़ा एवं समय मानकों पर खरा उतरा आपूर्तिकर्ता बना रहा है, वहीं अमेरिका, यूरोपीय संघ एवं यू. के. भारत के महत्त्वपूर्ण भागीदार हैं जिन्हें नाराज़ करने का खतरा नहीं उठाया जा सकता। भारत के रणनीतिक हितों को ध्यान में रखते हुए भारत ने अब तक जिस संतुलित दृष्टिकोण का पालन किया है, वही उपयुक्त व्यावहारिक तरीका हो सकता है।

संदर्भ स्रोत :–

1. नई दुनिया इन्दौर,
2. नवभारत टाइम्स नई दिल्ली
3. दृष्टि, आई.ए.एस. नई दिल्ली एवं प्रयागराज।